

Result Mitra Daily Current Affairs

Topic 1 :- जल विद्युत परियोजनाएं और प्राकृतिक आपदाएं

चर्चा में क्यों :-

- हाल ही में हिमाचल प्रदेश में कई सारी प्राकृतिक आपदाएं देखी गईं पर इन सब की विशेषता यह थी कि उनकी उपस्थित जल विद्युत परियोजनाओं के आसपास थी
- हाल ही में हिमाचल प्रदेश में पिछले कुछ दिनों में ही 6 स्थानों पर बादल फटने की घटना हुई। जो की प्राकृतिक आपदाओं के अंतर्गत घटी एक घटना है।
- ये प्राकृतिक आपदाओं की अधिकतर घटनाएं किसी न किसी जल विद्युत परियोजना स्थल के आस-पास घट रही हैं।

इन प्राकृतिक आपदाओं के कारण :-

विकास की अंधी दौड़ :- हम बिना पर्यावरण की चिंता किए अपने लाभ के लिए बड़े पैमाने पर इसे हानि पहुंचा रहे हैं।

- हम बिना पर्यावरण की देखें बड़ी-बड़ी परियोजनाओं का निर्माण कर रहे हैं जिससे बड़ी मात्रा में इसे हानि हो रही है।
- हिमाचल प्रदेश में प्राकृतिक आपदाएं साल दर साल बढ़ती जा रही हैं।
- पिछले 7 दिन में ही 6 अलग-अलग स्थान पर बादल फटने की घटना घटित हुई।
- हाल ही में घटित किए प्राकृतिक घटनाओं में से चार ऐसी घटनाएं हैं जो किसी न किसी जल विद्युत परियोजना के पास घटी हैं।
- इसके साथ ही अगर पिछले 1 वर्ष के प्राकृतिक घटनाओं को दिखा जाते तो ये किसी पावर प्रोजेक्ट या नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट के आस पास घटती हुई जिस कारण इन परियोजनाओं को लेकर सवाल उठते हैं।
- इन घटनाओं में जान और माल दोनों की हानि होती है।
- कुछ एक्सपर्ट्स का कहना है की इस प्रदेश में हाईड्रो पावर प्रोजेक्ट्स के बनने से यहां पारिस्थितिकी में भारी परिवर्तन देखने को मिल रहे हैं।

2024 की आपदाएं :-

- हिमाचल प्रदेश में 7 स्थानों में बादल फटने की घटनाएं 1 जनवरी से 31 जुलाई तक हुईं।
- इसमें से 4 ऐसे स्थान पर पावर प्रोजेक्ट्स मौजूद थे।
- मनाली के धुंधी में 25 जुलाई को अंजनी महादेव नाले में बादल फटने से बाढ़ आ गई जिस कारण राष्ट्रीय राजमार्ग बंद हो गया।

- यहीं पर 9 मेगावाट को पावर प्रोजेक्ट भी है।
- हिमाचल में एक साथ 31 जुलाई की रात चार स्थानों में बादल फटे। इनमें से एक स्थान मलाणा पावर प्रोजेक्ट भी था जिसके स्टेज 1 के पास डैम में बाढ़ आ गई और डैम फटने से निचले क्षेत्रों में भारी नुकसान हुआ।

क्यों आ रही है इतनी प्राकृतिक आपदाएं:-

- 1. इस राज्य में विद्युत परियोजना के लिए काफी डैम बनते हैं जिससे पानी के भीतर मलवे का जमाव होता है इसमें लकड़ी और अन्य ऑर्गेनिक मैटर पाए जाते हैं
- जो धीरे-धीरे ऑक्सीजन की अनुपस्थिति में सड़ते लगते हैं और मिथेन गैस की उत्पत्ति का कारण बनते हैं,
- यही मिथेन गैस यहां के तापमान को सामान्य के मुकाबले अधिक बढ़ा देती है।
- इस कारण ही इन परियोजना क्षेत्रों में अधिक बादल फटने और लैंड स्लाइड जैसी आपदाएं बार बार हो रही हैं।
- 2. हिमाचल के जो पहाड़ हैं वह समय के साथ और अवैज्ञानिक परियोजनाओं के कारण कमजोर पड़ गए हैं जिनमें मानवीय दखल जैसे की कटान, मिट्टी की डंपिंग जैसे कारणों से लैंड स्लाइड की घटनाएं अधिक बढ़ गई हैं।

हिमाचल प्रदेश में विद्युत परियोजनाएं :-

- राज्य में 174 कुल परियोजनाएं हैं जिनमें छोटी बड़ी जल विद्युत परियोजनाएं शामिल हैं।
- इन परियोजनाओं में 11209 मेगावाट बीजली का उत्पादन होता है।
- राज्य में कुल 30 हजार मेगावाट बीजली उत्पादन करने की क्षमता है इसमें राज्य सरकार और वृद्धि करना चाहती है।

राज्य में प्राकृतिक आपदाएं और उससे होने वाले नुकसान:-

- वर्ष 2021 में :- प्राकृतिक आपदाओं से :- जिसमें 476 जानें गई और 1151 करोड़ की संपत्ती का नुकसान हुआ था।
- वर्ष 2022 में प्राकृतिक आपदाओं से :- 276 जानें गई, 939 करोड़ का नुकसान और
- वर्ष 2023 में :- प्राकृतिक आपदाओं से :- 441 जानें गई 12 हजार करोड़ रुपये का नुकसान और थी।
- वर्ष 2024 में अभी तक :- प्राकृतिक आपदाओं से :- 73 लोगों की जान गई जबकि 648 करोड़ रुपये की संपत्ती के नुकसान हुआ।

Topic 2:- तुर्किये में इंस्टाग्राम बैन

2 अगस्त को इंस्टाग्राम पर तुर्किये ने प्रतिबंध लगा दिया।

बैन लगाने का कारण :-

- तुर्किये ने संचार अधिकारी फहरेटिन अलतुन ने कहा कि इंस्टाग्राम ने हमास प्रमुख अस्माइल हानिया की हत्या पर शोक संदेशों को ब्लॉक करने का प्रयास किया।
- यह प्रतिबंध कितने समय के लिए लगाया गया है अभी इस बात की पुष्टि नहीं की गई है।
- इससे पहले भी तुर्किये ने यूट्यूब पर प्रतिबंध लगाया था जो 2007 से लेकर 2010 तक जारी रहा था।

इंस्टाग्राम

शुरुआत :- 2010 में

किसके द्वारा :- केविन सिस्ट्रॉम और माइक क्रेगर

फेसबुक के संस्थापक मार्क जुकरबर्ग ने 2012 में इंस्टाग्राम का अधिग्रहण किया ।

वर्तमान में इसकी मार्केट वैल्यू लगभग 500 अरब डॉलर है।

Topic 3 :- प्राइम एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला

चर्चा में क्यों :- हाल ही में शुभांशु को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिए प्राइम एस्ट्रोनॉट के रूप में चुना गया है।

- जबकि प्रशांत नायर बैकअप के रूप में चुने गए हैं।
- शुभांशु शुक्ला 38 साल के हैं।
- वे भारतीय एयरफोर्स में फाइटर पायलट और कॉम्बेट लीडर हैं।
- उन्हें लगभग 2000 घंटे से ज्यादा की उड़ान का अनुभव है।
- इनके द्वारा मिग-21, मिग-29, सुखोई-30MKI, जगुआर, हॉक, डॉर्नियर और एएन-32 जैसे विमानों को उड़ाने का रिकॉर्ड है।

अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन :-

- यह पृथ्वी की कक्षा में स्थित एक बड़े अंतरिक्ष यान के रूप में है।
- यह निवास स्थान के रूप में कार्य करता है जिसमें अंतरिक्ष यात्रियों और दल के रहने की व्यवस्था होती है।
- इस अंतरिक्ष स्टेशन में पाँच अंतरिक्ष एजेंसियों के बीच एक सहयोग था: NASA (अमेरिका), Roscosmos (रूस), JAXA (जापान), ESA (यूरोपियन यूनियन) और CSA (कनाडा)।
- अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन को अलग-अलग मॉड्यूल के माध्यम से बनाया गया है, तथा प्रत्येक मॉड्यूल का एक विशिष्ट उद्देश्य है।
- यह स्टेशन 1998 में लॉन्च किया गया था और 2030 तक इसके कक्षा में बने रहने की उम्मीद है।

अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन :-

लॉन्च :- 20 नवंबर, 1998।

विशेषता :- यह अंतरिक्ष में मानव द्वारा निर्मित सबसे बड़ा ऑब्जेक्ट है।

उपयोग :- अंतरिक्ष में अंतरिक्ष यात्रियों के लिए आवास के रूप में कार्य करना।

इस स्टेशन पर 2011 से नियमित रूप से लोग रह रहे हैं।

कक्षा: अंतरिक्ष स्टेशन पृथ्वी से लगभग 400 किलोमीटर ऊपर कक्षा में स्थित है।

गति: ISS 28,000 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से पृथ्वी के चारों ओर घूमता है। (हर 90 मिनट में पृथ्वी की परिक्रमा)

उद्देश्य:

1. अंतरिक्ष में अंतरिक्ष यानियों के लिए आवास के रूप में कार्य करना
2. अंतरिक्ष और सूक्ष्मगुरुत्व के बारे में हमारे ज्ञान का विस्तार करना
3. नए वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा देना।

भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (Indian Space Station)

भार :- लगभग 20 टन होगा

विशेषता :- ISS की तुलना में बहुत हल्का।

अंतरिक्ष स्टेशन कितनी ऊंचाई पर होगा :- लगभग 400 किमी की ऊंचाई पर।

यह पृथ्वी की परिक्रमा करेगा।

कार्य :- इसका उपयोग अंतरिक्ष यात्रा के लिये ना करके माइक्रो ग्रेविटी (Microgravity) से संबंधित परीक्षणों में किया जाएगा।

वया अंतरिक्ष यात्री रह सकते हैं इसमें :-

परियोजना के प्रारंभिक चरण के अंतर्गत लगभग 20 दिनों तक अंतरिक्ष यात्री इसमें सकेंगे।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (Indian Space Research Organisation- ISRO) स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट (Space Docking experiment- Spadex) पर भी काम कर रहा है।